नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

# संकट के समय सहयोग करना जरूरी

**खा**ड़ी युद्ध के कारण निश्चित रूप से पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित हुई है. यह एक ऐसा संकट है, जो दुनिया पर थोपा गया है. सरकार अपने स्तर पर तमाम प्रयास कर रही है, ऐसे में जरूरी है कि जनता भी संयम से काम ले और सरकार को सहयोग करे. दरअसल,देश जब भी किसी संभावित संकट या अनिश्चितता के दौर से गुजरता है, तब सबसे बड़ी चुनौती केवल परिस्थितियों से निपटना नहीं होती, बल्कि अफवाहों और भ्रम के माहौल को नियंत्रित करना भी होती है. हाल के दिनों में ईंधन की कमी और संभावित लॉकडाउन को लेकर फैली आशंकाओं ने यही स्थिति पैदा कर दी है. पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें और जरूरत से ज्यादा खरीदारी इस बात का संकेत हैं कि अफवाहें कितनी तेजी से जनमानस को प्रभावित कर सकती हैं.

ऐसे समय में केंद्र सरकार के मंत्रियों द्वारा दिए गए स्पष्ट और तथ्यात्मक बयान न केवल स्थिति को स्पष्ट करते हैं, बल्कि जनता के मन में विश्वास भी जगाते हैं. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यह साफ कर दिया है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त भंडार मौजूद है और आपूर्ति श्रृंखला पूरी तरह सुचारू रूप से काम कर रही है. यह आश्वासन केवल एक प्रशासनिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार शासन का परिचायक है, जो वैश्विक अस्थिरता के बीच भी घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता दे रहा है. इसके साथ ही नागरिकों से 'पैनिक बाइंग' से बचने की अपील अत्यंत महत्वपूर्ण है. घबराहट में किया गया अनावश्यक भंडारण न केवल संसाधनों का असंतुलन पैदा करता है, बल्कि उन लोगों के लिए समस्या खड़ी करता है जिन्हें वास्तव में जरूरत होती है. यह एक सामाजिक जिम्मेदारी का भी प्रश्न है, जहां हर नागरिक का व्यवहार सामूहिक व्यवस्था को प्रभावित करता है. इसी तरह, संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू द्वारा लॉकडाउन को लेकर दी गई स्पष्टता भी उल्लेखनीय है. उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि वर्तमान परिस्थितियां पूरी तरह नियंत्रण में हैं और लॉकडाउन जैसी कोई योजना नहीं है. यह बयान उन अटकलों पर विराम लगाने के लिए जरूरी था, जो बिना किसी आधार के सोशल मीडिया के माध्यम से फैल रही थीं.

दरअसल, आज के डिजिटल युग में सूचना जितनी तेजी से फैलती है, उतनी ही तेजी से भ्रम भी फैलता है. ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही नागरिकों की भी है कि वे अपुष्ट खबरों से दूरी बनाए रखें और केवल आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करें. जागरूक नागरिक ही किसी भी संकट का सबसे मजबूत स्तंभ होते हैं. दुर्भाग्य से, कुछ राजनीतिक नेता ऐसे संवेदनशील समय में भी बयानबाजी से बाज नहीं आते. संकट के समय राजनीतिक लाभ की गणना करना न केवल गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि सामाजिक एकजुटता को भी कमजोर करता है. ऐसे वक्त में आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल और नेता एक स्वर में जनता को संयम और सतर्कता का संदेश दें, न कि भ्रम और भय का वातावरण तैयार करें.

इतिहास गवाह है कि भारत ने हर संकट का सामना सामूहिक प्रयास और संयम से किया है. आज भी जरूरत इसी बात की है कि सरकार और जनता के बीच विश्वास बना रहे, और हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए अफवाहों से दूर रहे. संकट के समय सहयोग ही सबसे बड़ी ताकत बनता है, और यही सच्ची देशभक्ति भी है.

# समृद्धि के नये सवेरे के लिए तैयार है बस्तर

पराग मांदले

> नक्सलवाद के विरुद्ध जंग में एक महत्वपूर्ण भूमिका डिजिटल कनेक्टिविटी ने भी निभाई. इसके लिए क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मोबाइल टॉवर स्थापित किए गए ताकि आदिवासी क्षेत्र की नयी पीढ़ी बाकी दुनिया से आसानी से जुड़ सके. क्षेत्र में खेल की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए बस्तर ऑलंपिक का आयोजन किया गया. इसके अलावा बस्तर पंडुम के माध्यम से बस्तर के सांस्कृतिक वैभव को पूरे देश और दुनिया में पहुँचाने के प्रयास भी किए गए.

**छत्तीसगढ़** के बीजापुर में 25 मार्च 2026 को कुख्यात नक्सली कमांडर और दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य पापा राव द्वारा अपने 17 अन्य साथियों के साथ आत्मसमर्पण के साथ ही छत्तीसगढ़ से 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद के खात्मे का लक्ष्य अब हकीकत में उतरने के बिलकुल दहलीज पर आ गया है. पापा राव बस्तर में सक्रिय नक्सवादियों की अग्रिम पंक्ति में शामिल आखिरी कमांडर था. उसके आत्मसमर्पण के बाद अब बस्तर में नक्सलवादियों का नेतृत्व पूरी तरह से खत्म हो चुका है. बस्तर और छत्तीसगढ़ अब हिंसामुक्त एक नयी सुबह के लिए पूरी तरह से तैयार है.

दो साल पहले जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने यह घोषणा की थी कि 31 मार्च 2026 तक पूरे छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद से मुक्त करा लिया जाएगा, तब स्थितियां इतनी आसान नहीं थीं. क्योंकि उस समय छत्तीसगढ़ में करीब चार हजार नक्सलवादी सक्रिय थे. गृहमंत्री के संकल्प को पूरा करने के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस ने बस्तर के आईजी श्री सुंदरराज पी. के मार्गदर्शन में तथा अन्य केंद्रीय बलों के सहयोग से बस्तर में पाँच सूत्री योजना पर जोर-शोर से काम शुरू किया. पाँच विभिन्न स्तरों पर किए गए पिछले दो सालों के प्रयासों का ही यह परिणाम है कि तय की गई डेटलाइन खत्म होने से पहले ही बस्तर में अब माओवादियों का अस्तित्व खत्म होने की कगार पर पहुँच गया है.

पुलिस और प्रशासन की इस पाँच सूत्री योजना में विश्वास, विकास, सुरक्षा, सेवा और न्याय शामिल था. इसके अंतर्गत कई स्तरों पर एक साथ काम किया गया. पुलिस के सहायक संगठन डिस्ट्रिक रिजर्व गार्ड (डीआरजी) में पूरी तरह से स्थानीय युवक-युवतियों को नियुक्त किया गया. इसके लिए उन्हें शिक्षा की पात्रता तथा कद के मापदंड में छूट दी गई.डीआरजी की स्थापना 2015 में स्थानीय युवाओं (विशेषकर बस्तर के) और आत्मसमर्पित माओवादियों को शामिल करके की गई थी, जिन्हें इलाके की भौगोलिक और भाषाई समझ थी. स्थानीय परिस्थितियों से अच्छी तरह से परिचित होने के कारण ये जवान कई दिनों तक जंगल में रहने, लंबी गश्त करने और खुफिया जानकारी के आधार पर सटीक कार्रवाई करने में सक्षम थे.बस्तर में नक्सल विरोधी अभियानों में, खासकर अबूझमाड़ और बीजापुर-सुकमा के घने जंगलों में, सुरक्षाबलों की 90त्न से अधिक सफलता में डीआरजीकी मुख्य भूमिका रही है.इसके अलावा वर्ष 2021 में गठित एक अन्य सहयोगी इकाई बस्तर फाइटर्स को भी मजबूत किया गया. इन दोनों इकाइयों का बस्तर पुलिस द्वारा शुरू की गई सामुदायिक पुलिसिंग की अवधारणा को धरातल पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका रही.

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में ग्रामीण जनता में पुलिस के प्रति अविश्वास, डर की भावना को खत्म करने, पुलिस और जनता के बीच संबंध को मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत आमचो बस्तर आमचो पुलिस अभियान शुरू किया गया. इस अभियान के तहत् पुलिस ने ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर स्थानीय भाषा-बोलियों में बात की, ग्रामीणों की समस्याएं सुनी, स्थानीय आदिवासियों के साथ मिलकर त्यौहार मनाए और उनकी दैनिक समस्याओं को सुलझाने का प्रयास किया. इससे पुलिस-जनता के बीच विश्वास बढ़ा.

अगले चरण में पुलिस ने सरकार की विकास योजनाओं और कार्यक्रमों को आदिवासी क्षेत्रों में पहुँचाने में सहयोग किया. स्थानीय युवाओं को शिक्षा, रोजगार, खेल और अन्य विकास गतिविधियों में शामिल कर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ा.क्षेत्र में सुरक्षा को मजबूत करने के लिए विभिन्न आदिवासी इलाकों में पुलिस और सुरक्षा बलों के कैम्प स्थापित किए गए. चार सौ से ज्यादा कैम्पों को स्थापित कर उन्हें समेकित विकास केंद्र के रूप में विकसित किया गया ताकि इनके जरिए सरकारी योजनाओं का लाभ, शिक्षा और बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं लोगों तक पहुँचाई जा सके.

पुलिस ने गाँवों में विकास योजनाओं को लागू करने में स्थानीय लोगों की इच्छा और भागीदारी को सुनिश्चित किया.प्रत्येक पुलिस कैम्प के आठ से दस किलोमीटर के दायरे में स्कूल, आंगनवाड़ी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, राशन दुकान, बिजली, बैंक जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की कोशिश की.सुदूर क्षेत्रों में शिक्षाविहीन गाँवों की पहचान की गई और नियद नेल्ला नार योजना के अंतर्गत नये विद्यालय खोले गए.

**(लेखक केंद्रीय संचार ब्यूरोभोपाल में सहायक निदेशक हैं)**

मध्य क्षेत्र की डायरी

# सरकारी राशन में गड़बड़झाला

दिलीप झा

यह सुनकर कोई भी चौंक जाएगा कि मध्यप्रदेश की 70 फीसदी आबादी सरकारी राशन ले रही है. सबसे हैरानी की बात यह है कि पिछले दो साल में मुफ्त राशन लेने वालों की संख्या 10 लाख बढ़ गई है. इससे दो बातें तो स्पष्ट हो जाती हैं. पहली बात इसमें गड़बड़झाला बहुत जबरदस्त है. दूसरी बात यह है कि अगर यह आंकड़ा सही है तो प्रदेश की 70 फीसदी आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रही है जोकि सरासर झूठ है. इस मामले में मध्यप्रदेश देश के शीर्ष राज्यों में पांचवें स्थान पर है. प्रदेश के 5 करोड़ 36 लाख 23 हजार 491 लोगों को सरकारी राशन वितरण किया जा रहा है. पीडीएस योजना केंद्र सरकार की है लेकिन इसके क्रियान्वयन में घोर लापरवाही हो रही है. केंद्र सरकार को इस मामले में पूरे देश में जांच के आदेश देना चाहिए क्योंकि योजना का लाभ हितग्राहियों को न जाकर उन्हें मिल रहा है जो इसके असली हकदार नहीं हैं. सूत्र बताते हैं कि दस से बीस बीघा जमीन के जोतदारों को पीडीएस योजना का लाभ मिल रहा है जबकि इसके असली हकदार लाभ से वंचित हैं. सरकारी राशन दुकानों के संचालक मालामाल हो रहे हैं क्योंकि उनके रजिस्टर की जांच महज खानापूर्ति बनकर रह गई है. राज्य सरकारों को भी सूक्ष्मता से पूरे मामले की जांच के आदेश देने चाहिए क्योंकि इसमें बहुत धांधली हो रही है. सरकारी राशन दुकानों के संचालकों की रजिस्टर सिर्फ और सिर्फ दिखाबे की होती है. इनके कारनामे हाथी के दांत के समान हो गये हैं जो दिखाने के कुछ और खाने के कुछ और होते हैं. हालांकि वर्ष 2025 में प्रदेश भर में चलाए गए अभियान में राशन लेने वाले उपभोक्ताओं का वैरिफिकेशन किया गया , जिसके बाद 17.95 लाख लाभार्थियों की संख्या में कमी आई है. सबसे अहम मसला यह है कि पिछले एक साल में 18 लाख में सरकारी राशन लेने वालों की संख्या घटी लेकिन पिछले दो साल में इनकी आबादी 10 लाख कैसे बढ़े, यह जांच का विषय होना चाहिए.

## कलेक्टर साहब, थाने में नहीं होती सुनवाई

गुना जिले में कलेक्ट्रेट में सुनवाई के दौरान उस समय हंगामा हो गया जब बांसखेड़ी घोसीपुरा निवासी युवक ने कलेक्टर को रोककर बोला-कलेक्टर साहब मेरी भी सुन लो.? मुझे इंसाफ चाहिए. शिकायत कर्ता सूरज ने आरोप लगाया कि विशेष समुदाय के कुछ लोगों ने उन्हें घेर कर मारपीट की. हमलावरों में कुछ महिलाएं भी शामिल थीं. सूरज ने कलेक्टर से यह भी शिकायत की कि कैंट थाना प्रभारी को फोन भी किया लेकिन उन्होंने फोन ही नहीं उठाया. हारकर मैं आपसे गुहार लगाने यहां पहुंचा हूं. शिकायत के बाद कलेक्टर ने अधिकारियों को निष्पक्ष कार्रवाई करने के निर्देश दिए. बता दें कि इससे पहले भी कलेक्ट्रेट में इंसाफ नहीं मिलने पर कुछ लोगों ने जहर खाकर जान देने की कोशिश की. इसका मतलब साफ है कि जिले में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है. इसी जनसुनवाई में अगरिया समुदाय के लोगो ने कलेक्टर से गुहार लगाई कि 50 वर्षों से नानाखेड़ी क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 1 स्थित दीनदयाल नगर में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है. विकास के बड़े बड़े दावे किए जा रहे हैं लेकिन हकीकत देखना है तो इस वार्ड में आकर अवलोकन करें कि पक्के मकान बनाकर निवास कर रहे लोगों को कितनी मुसीबतें झेलनी पड़ रही है. इस वार्ड में न तो बिजली, न सड़क और न ही स्वच्छ पानी नसीब हो रहा है. अगरिया समुदाय के लोगो ने जनप्रतिनिधियों पर तीखा हमला करते हुए कहा कि वे सिर्फ चुनाव के समय यहां आते हैं लेकिन इसके बाद फिर कभी नजर नहीं आते हैं. हकीकत यह है कि उनके समुदाय के लोगो को न तो पीएम आवास योजना के तहत मकान मिला है और न ही रहने के लिए पट्टे जारी किए गए हैं. दरअसल में यह समुदाय पारंपरिक रूप से लौहपीटा का कार्य कर अपना जीवन यापन करता है. और इस काम के सिलसिले में उन्हें प्रदेश के अन्य हिस्सों में जाना पड़ता है. उनकी अनुपस्थिति में सूने घरों में अक्सर चोरियां भी हो जाती हैं, जिससे उनकी जमा पूंजी पर डाका पड़ जाता है.

# पाक की मध्यस्थता में कितना दम

**अमेरिका** और ईरान के बीच मध्यस्थता के लिए पाकिस्तान आगे आया है जबकि यह काम आसान नहीं है. ट्रंप की सनक और युद्धोन्माद तथा ईरान की अकड़ के बीच सुलह कराने का कूटनीतिक प्रयास आखिर कैसे सफल होगा? खुद पाकिस्तान को बलूच और तालिबान चैन नहीं लेने देते. जब वह उनके साथ समझौता नहीं कर पाया, तो अमेरिका व ईरान को कैसे युद्ध विराम के लिए मना पाएगा? पाकिस्तान की हकीकत यह है कि शहबाज शरीफ की निर्वाचित सरकार कमजोर है जबकि सेना ज्यादा ताकतवर है. सेना प्रमुख मुनीर व शहबाज दोनों ने ही पिछले वर्ष ट्रंप से निकटता स्थापित की. ट्रंप के प्रभाव क्षेत्र के लोगों से पाकिस्तान के क्रिप्टो करेंसी और दुर्लभ खनिजों पर सौदे हुए हैं. गत वर्ष मई में हुए भारत-पाक संघर्ष के बाद पाकिस्तान ने लड़ाई रुकवाने का श्रेय ट्रंप को देते हुए उनको धन्यवाद दिया था. इसके विपरीत भारत ने किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से इनकार किया था. जून में ट्रंप ने मुनीर को व्हाइट हाउस में लंच दिया था और उनकी तारीफ की थी. सितंबर में अपने ओवल ऑफिस में ट्रंप, मुनीर और शहबाज शरीफ दोनों से मिले थे. जून 2025 में पाकिस्तानसरकार ने ट्रंप को नोबल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया था. इसलिए अमेरिका मानता है कि ईरान के साथ मध्यस्थता कराने के लिए पाकिस्तान काफी उपयोगी है. यद्यपि पाकिस्तान की अधिकांश आबादी सुन्नी मुस्लिमों की है, लेकिन तथ्य यह है कि पाकिस्तान के संस्थापक

मोहम्मद अली जिन्ना खुद शिया मुस्लिम थे. पाकिस्तान के ईरान सीमा से लगे क्षेत्रों में शिया मुस्लिम बड़ी तादाद में रहते हैं. पाक ने ईरान के सामने 15 सूत्रीय शांति समझौते का प्रस्ताव रखा जिसे ईरान ने पूरी तरह ठुकरा दिया. प यदि ईरान ने अरब देशों पर हमले जारी रखे तो सऊदी अरब अमेरिका व इजराइल का साथ देकर ईरान से भिड़ सकता है. ऐसी हालत में पाकिस्तान को भी सऊदी अरब का साथ देना पड़ेगा. क्योंकि वह आर्थिक रूप से सऊदी अरब पर निर्भर है. इस तरह मध्यस्थता के लिए पाकिस्तान की राह आसान नहीं है. पाकिस्तान के दक्षिण पश्चिम में ईरान की सीमा लगी हुई है. जब ईरान ने अमेरिका समर्थक अरब देशों को निशाना बनाया है तो वह सऊदी अरब का साथ देने वाले पाकिस्तान को भी माफ नहीं करेगा.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

# किस्मत संवारने पर ध्यान रोडमैप बनाने का अरमान

**प**ड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, हमें अपनी मंजिल हासिल करने के लिए रोडमैप की जरूरत है. क्या इसे बनाने में आप हमारी मदद करेंगे या फिर हम किसी बुकस्टोर से रोडमैप मंगवा लें?'

हमने कहा, 'नगर रचना विभाग के पास आपको सभी सड़कों का नक्शा मिल जाएगा. उसमें अपनी मंजिल खोजना आपका काम है. चाहें तो गूगल मैप की मदद लीजिए. कभी वह रास्ता भटकाकर किसी नदी या गहरी खाई की ओर पहुंचा देता है, इसलिए सतर्क रहिएगा.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, हम शहर की गली-सड़कों की बात नहीं कर रहे, बल्कि हमारा आशय जीवन की दिशा या लक्ष्य से है. हमारी निगाह अपने गोल पर ऐसा लगता है.'

हमने कहा, 'गोल मारना है तो हॉकी है कि मेरा रोड मैया या फुटबॉल खेलिए और बॉल लेकर गोल पोस्ट की ओर दौड़ते चले जाइए. हॉकी में ध्यानचंद और फुटबाल में पेले व माराडोना खूब गोल करते थे. अब यह काम रोनाल्डो और

मेस्सी करते हैं.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, जिंदगी को सार्थक करना है तो उसकी दशा और दिशा सुनिश्चित होनी चाहिए. इसलिए हम रोडमैप की बात कर रहे हैं.'

हमने कहा, 'अच्छा स्वास्थ्य और पर्याप्त संपत्ति हो तो व्यक्ति की दशा सही रहती है. जहां तक दिशा का सवाल है, उसे जानने के लिए कम्पास का इस्तेमाल कीजिए. दिशाहीन इंसान की हालत ऐसी होती है कि जाते थे जापान, पहुंच गए चीन, समझ गए ना! अब आप अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप को ही लीजिए. दिशाहीन होकर उन्होंने टैरिफ लगाया. इसके बाद इजराइल ने उन्हें ईरान से युद्ध में फंसाकर उनकी दशा और दिशा दोनों बिगाड़ दी. चक्रव्यूह से बाहर कैसे निकलें, इसका रास्ता ही नहीं खोज पा रहे हैं. ट्रंप की सनक का नतीजा अमेरिका की जनता को भी भुगतना पड़ रहा है. वास्तुशास्त्र को मानने वाले हमारे देशवासी दिशाओं का पूरा विचार करते हैं. पूर्व दिशा की ओर मकान का द्वार रहेगा तो सूर्य की किरणें आएंगी. पश्चिम की ओर द्वार रहने से बारिश का पानी घर में घुसेगा. कुछ लोगों को दक्षिण दिशा के मुख्य द्वार वाला मकान भी दौलतमंद बना देता है जबकि यह दिशा अशुभ मानी जाती है. दिशाशूल का विचार करने वाले लोग सोमवार व शनिवार को पूर्व की तथा मंगल व बुधवार को उत्तर दिशा की ओर यात्रा करना टालते हैं.'

## शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

### CROSS WORD 12211

-डॉ. सागर खादीवाला

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | | 3 | | ■ | 4 | 5 |
| 6 | | ■ | | ■ | 7 | ■ | |
| | ■ | 8 | | 9 | | ■ | |
| 10 | | | | | ■ | 11 | |
| | ■ | ■ | 12 | | ■ | 13 | |
| ■ | 14 | 15 | ■ | 16 | 17 | | ■ |
| 18 | | | 19 | ■ | 20 | | 21 |
| 22 | | ■ | 23 | | | ■ | |

**ऊपर से नीचे**
1. शासन, राज्य, हुकूमत (उर्दू) 2. रोटी सेंकने का छिछला गोल बर्तन 3. डगमगाना, झोंका खाकर नीचे आना 5. अच्छा मौका, अच्छा अवसर 7. अंधा, सूर्य, सूरदास 8. इस समय, अभी 9. तीर या बाण चलाने की विद्या 11. बहन का माना हुआ संबंध 14. चर्खे-तकली आदि पर ऊन या रूई से धागा निकालना 15. मित्र, प्रेमी 17. छोटा तकला, टेकुरी 18. हुनर, गाने-बजाने आदि की विद्या 19. परिमाण, माप, नापने का कार्य 21. मेंढक की बोली, हठ, जिद

**बाएं से दाएं**
1. छिपी बात का प्रकट हो जाना 4. वैदिक देवताओं का एक गण, सूर्य, शिव (सं.) 6. औषध, उपचार (उर्दू) 8. समाचार-पत्र (उर्दू) 10. घबराहट में कोई काम करना, हड़बड़ी 11. वश, काबू, पर्याप्त, लारी 12. नौका, किश्ती 13. छीनने या हरण करने वाला, प्रत्येक, एक-एक 14. देह, शरीर 16. रिक्त होना, खाली होना 18. कैंची या अन्य किसी औजार से काटना 20. किवाड़ 22. कहीं से कोई वस्तु लेकर आना 23. मनुष्यों या पशुओं की छाती में की आड़ी और कुछ गोलाकार हड्डी

### Solution 12210

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सं | गी | त | का | र | ■ | लो | प |
| सा | ■ | र | ■ | मा | री | च | ■ |
| र | ■ | फ | ल | ना | ■ | न | ट |
| ■ | क | ■ | ■ | ■ | त | ■ | फ |
| लौ | ह | प | थ | गा | मि | नी | ■ |
| ■ | क | द | ली | ■ | ल | लि | ता |
| श | शां | क | ■ | सा | ■ | मा | मी |
| चि | ■ | ■ | म | धु | र | ■ | र |

## ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

### आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में व्यर्थ के वाद विवाद से मन खिन्न रहेगा, भोग विलास में धन व्यय होगा, यात्रा में कष्ट होगा, स्वास्थ्य गड़बड़ रहेगा,वर्षके मध्य में विदेशी व्यापारियों के लिये समय लाभप्रद रहेगा, सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, वर्ष के अन्त में मित्रों के सहयोग से योजनाओं का समाधान होगा, राजनैतिक रूपरेखा बनेगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों के लिये सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों की मित्रों के सहयोग से नवीन योजनाओं की रूपरेखा बनेगी, कर्क राशि के व्यक्तियों की यात्रा में कष्ट होगा, मकर और कुंभ राशिके व्यक्तियों को यश मिलेगा,मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को मेहनत अधिक करना होगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को संयम सेकाम लेना हितकर रहेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को साहस पराक्रम बढ़ेगा.

### आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक का स्वस्थ्य, सुन्दर, हष्टपुष्ट तथा लंबे कद का होगा. दूसरों का आदर करेगा. किसी भी समस्या का सरलता से समाधान होगा. अंध विश्वासी एवं दूसरों की बात को समझने वाला बहुत चतुर होगा. माता पिता का भक्त होगा.

### उदयकालीन ग्रह चाल

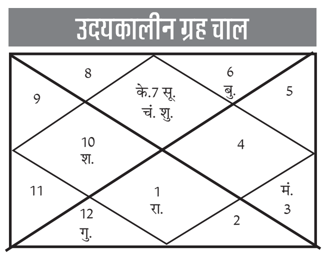


### पंचांग

रा.मि. 07 संवत् 2083 चैत्र शुक्ल दशमीं शनिवासरे दिन 10/6, पुष्य नक्षत्रे दिन 4/5, सुकर्मा योगे रात 9/20, गर करणे सू.उ. 5/55, सू.अ. 6/5, चन्द्रचार कर्क, शु.रा. 4, 6, 7, 10, 11, 2 अ.रा. 5, 8, 9, 12, 1, 3 शुभांक- 6, 8, 2.

### व्यापार भविष्य

चैत्र शुक्ल दशमीं को पुष्य नक्षत्र के प्रभाव से चांदी, तांबा, पीतल, सन् हैसियन, जूट, पाट, बारदाना, कपास, के भाव में मंदी होगी उपर लिखी वस्तुओं मे यदिं तेजी होगी. तब आगे दिन में भी तेजी का रूख बना रहेगा. लालमिर्च, अरहर, मूँग, मोठ, में नरमी रहेगी. भाग्यांक 3532 है.

**मेष**- नौकरी में कार्य की अधिकता रह सकती है. कामकाज पेंडिंग में रहेंगे. उठाईगीरों से सावधानी रखें. यश मिलेगा. मान-सम्मान प्राप्त होगा.

**वृषभ**- मांगलिक कार्यो की योजना बनेगी. सहयोगी आपकी मेहनत का लाभ उठायेंगे. आजीविका के प्रयासों में सफ्लता मिलेगी. मन में हर्ष बना रहेगा.

**मिथुन**- शारीरिक अस्वस्थ्यता रह सकती है, वाहन मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें. हितचिन्तक सलाह उपयोगी रहेगी. समय का रखें.

**कर्क**- मेहमानों की आवाजाही रहेगी. निजी दायित्वों की पूर्ति होगी. नये कार्यो के लिये किया गया प्रयास सफ्ल होगा. विवादों को टालना हितकर.

**सिंह**- जमीन जायजाद मकान संपत्ति का विवाद सामने आ सकता है. निजी मामलों में सफ्लता मिलेगी. अनावश्यक वाद विवाद से बचें. धैर्य से काम लें.

**कन्या**- कार्यक्षेत्र में समझौता करना लाभकारी रहेगा. मानसिक संतुष्टि रहेगी.निजी दायित्वों की पूर्ति होगी. विवादित मसले सुलझने के आसार है.

**तुला**- आर्थिक मामलों में सूझबूझ व संयम से काम करना लाभदायक रहेगा. मनः स्थिति संतुलित रहेगी. नौकरी में सहयोग रहेगा. पारिवारिक यात्रा होगी.

**वृश्चिक**- दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी. समय पर कार्य पूरा होने से हर्ष बना रहेगा. राह में आ रही मुश्किलें दूर होंगी. नये संपर्क लाभदायक रहेंगे.

**धनु**- नवीन कार्यो का विस्तार होगा. लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. उदर विकार आदि से कष्ट होगा. अनुभवी लोगों का साथ सफ्लता दिलायेगा.

**मकर**- मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे. मांगलिक कार्य में प्रसन्नता रहेगी. राजकीय कार्य बनेंगे. सम्मान वृद्धि होगी. कारोबारी विस्तार की संभावना है.

**कुम्भ**- प्रतियोगी परीक्षा में सफ्लता के आसार है. दैनिक कार्यो में अवरोध दूर होगा. आजीविका के प्रयासों में सफ्लता प्राप्त होगी. सुख बना रहेगा.

**मीन**- नये लोगों संपर्क, मेलजोल आमोद प्रमोद बढ़ेगा. लेनदेन के मामले सुलझेंगे. आपके कार्यो में लगनशीलता रहेगी. धार्मिक आयोजनों में शामिल होंगे.

### SUDOKU 7343

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 6 | | 3 | | 8 | 9 | | 7 |
| | 1 | | 9 | | 6 | | 5 | 4 |
| | | | | | | 8 | | |
| | 4 | | 5 | | | | 8 | |
| 2 | | 5 | | 4 | | 6 | | 1 |
| | 3 | | | | 1 | | 7 | |
| | | 3 | | | | | | |
| 5 | 9 | | 7 | | 2 | | 6 | |
| 7 | | 6 | 4 | | 3 | | 9 | 2 |

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7342

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 7 | 2 | 3 | 8 | 4 | 1 | 9 | 6 |
| 8 | 6 | 1 | 9 | 2 | 5 | 7 | 3 | 4 |
| 3 | 9 | 4 | 1 | 6 | 7 | 5 | 8 | 2 |
| 2 | 5 | 7 | 4 | 1 | 3 | 8 | 6 | 9 |
| 4 | 8 | 6 | 5 | 9 | 2 | 3 | 7 | 1 |
| 1 | 3 | 9 | 6 | 7 | 8 | 4 | 2 | 5 |
| 6 | 2 | 3 | 7 | 4 | 1 | 9 | 5 | 8 |
| 9 | 4 | 5 | 8 | 3 | 6 | 2 | 1 | 7 |
| 7 | 1 | 8 | 2 | 5 | 9 | 6 | 4 | 3 |